मेरठ को हराकर गोरखपुर जोन बना विजेता

फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में 1-0 से दर्ज की जीत

city sports

संवाद न्यूज एजेंसी

बरेली। रिजर्व पुलिस लाइन मैदान पर चल रही 73वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक फुटबॉल प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग का फाइनल मुकावला शुक्रवार को मेरठ और गोरखपुर जोन की टीमों के बीच हुआ। 1-0 के अंतर से मुकावला अपने नाम कर गोरखपुर जोन ने ट्रॉफी कब्जाई। पुरस्कार वितरण के साथ ही प्रतियोगिता का समापन हो गया।

फाइनल मुकाबले का शुभारंभ एडीजी जोन रमित शर्मा ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर किया। मैच में दोनों ही टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। एक-दूसरे का क्षेत्ररक्षण भेदकर खिलाड़ी गोल करने का प्रयास करते नजर आए। एक गोल से पिछड़ने के बाद मेरठ की टीम काफी कोशिशों के बाद भी इस अंतर को पाट नहीं पाई।

पुरस्कार वितरण समारोह में एडीजी जोन रमित शर्मा ने खिलाड़ियों को ट्रॉफी व पदक देकर पुरस्कृत किया। महिला वर्ग में विजेता बनी बरेली की टीम की खिलाड़ी भी सम्मानित हुई। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी मनोज जग्गी उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डीआईजी रेंज अजय कुमार साहनी, एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी उत्तरी मुकेश मिश्रा, एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा, एसपी क्राइम मनीष भी मौजूद रहे।

फुटबॉल प्रतिगोगिता के महिला वर्ग में बरेली जोन रहा विजेता। अमर उजाला

साझा कीं यादें

खेल महज मैदान तक ही सीमित नहीं होता, यहां कुछ ऐसे लम्हें भी बन जाते हैं, जो दिलों में अमिट छाप छोड़ जाते हैं। ऐसा ही भावनात्मक क्षण 23 साल बाद फिर जीवंत हो उठा, जब एडीजी जोन रमित शर्मा और भारत के पूर्व खिलाड़ी मनोज जग्गी एक मंच पर आए। वर्ष 2002 में बरेली में ही आयोजित प्रतियोगिता में तत्कालीन एएसपी बनारस रमित शर्मा की कप्तानी में बनारस जोन पुलिस की टीम ने कानपुर को हराकर स्वर्णिम जीत दर्ज की थी। उसी टीम में शामिल रहे मनोज जग्गी की गोलकीपिंग ने विरोधियों के पसीने छुड़ा दिए थे। मनोज जग्गी ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए खिलाड़ियों को प्रेरित किया।

दैनिक जागरण जनपद बरेली दिनांक 26.07.2025

फुटबाल के फाइनल में मेजबान ने गोरखपुर को हराया

जागरण संवाददाता, बरेली : 73वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक फुटबाल प्रतियोगिता वर्ष–2025 का शुक्रवार को समापन हो गया। फाइनल मैच में बरेली की महिला टीम ने गोरखपुर की महिला टीम को तीन–एक से हरा दिया जबकि पुरुष वर्ग के फाइल मैच में गोरखपुर जोन ने मेरठ जोन को एक–शून्य से हराकर विजय प्राप्त की। मैच के समापन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा रहे। उन्होंने कहा कि खेल सिर्फ जीत और हार का नाम नहीं है, यह चरित्र, अनुशासन और टीम भावना का प्रतीक है। खिलाड़ी जब मैदान पर अपना पसीना बहाते हैं, वही असली योद्धा होते हैं।

21 जुलाई से शुरू हुए इस प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में 11 जोन की टीम, व महिला वर्ग में सात जोन की टीम ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के निर्देशानुसार लीग–कम–नाक–आउट पद्धति के आधार पर कराया गया। पांच दिन के इस प्रतियोगिता में कुल 25 मैच खेले गये। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में प्रथम सेमीफाइनल मैच गोरखपुर जोन व प्रयागराज जोन के बीच हुआ। जिसमें गोरखपुर जोन तीन–दो से विजयी रहा था। दूसरा सेमीफाइनल मैच लखनऊ जोन व मेरठ जोन के बीच हुआ। जिसमें मेरठ जोन तीन–दो से विजयी रहा। शुक्रवार को फाइनल मैच मेरठ जोन व गोरखपुर जोन के बीच खेला गया जिसमें मेरठ जोन को गोरखपुर जोन ने एक–शून्य से हराकर विजय प्राप्त की।

- 21 जुलाई से शुरू हुई थी 73वीं उत्तर प्रदेश वार्षिक फुटबाल प्रतियोगिता
- पुरुष वर्ग में 11 जोन और महिला वर्ग में सात जोन की टीमों ने लिया भाग

जीत के बाद जश्न मनाती बरेली की टीम • सौ. पुलिस

महिला वर्ग में शुरू से अव्वल रही मेजबनों की टीम

महिला वर्ग में पहला सेमीफाइनल मैच गोरखपुर व आगरा जोन के बीच खेला गया, जिसमें गोरखपुर जोन दो–एक से विजयी रहा था। दूसरा सेमीफाइनल बरेली जोन व प्रयागराज जोन के बीच हुआ, जिसमें बरेली जोन दो–शून्य से विजयी रहा। इसी तरह से फाइनल मैच बरेली जोन व गोरखपुर जोन के बीच खेला गया। बरेली ने गोरखपुर को तीन–एक से हराकर विजय प्राप्त की।

यह लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम में डीआइजी अजय कुमार साहनी, एसएसपी अनुराग आर्य, पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी मनोज जग्गी, एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी साउथ अंशिका वर्मा, एसपी नार्थ मुकेश चंद्र मिश्र, एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान, एसपी क्राइम मनीष कुमार सोनकर, सीओ प्रथम आशुतोष शिवम, सीओ तृतीय पंकज कुमार श्रीवास्तव, सीओ एलआइयू विजय कुमार राणा समेत सभी पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

73वीं यूपी पुलिस वार्षिक फुटबाल प्रतियोगिता का समापन

पुरुष वर्ग में मेरठ और महिला में बरेली विजेता

प्रतियोगिता

बरेली, मुख्य संवाददाता। पुलिस लाइन में आयोजित 73वीं यूपी पुलिस वार्षिक फुटबाल प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हो गया। पुरुष वर्ग में मेरठ जोन और महिला वर्ग में मेजबान बरेली जोन की टीम ने खिताब पर कब्जा किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडीजी रमित शर्मा और इंटरनेशनल फुटबालर एवं यूपी फुटबाल के ब्रांड अंबेसडर मनोज जग्गी ने पुरस्कृत कर उन्हें सम्मानित किया।

पुलिस लाइन में 21 जुलाई से शुरू हुई फुटबाल प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हो गया। इस प्रतियोगिता में पुरुषों की आगरा, गोरखपुर, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, पीएसी मध्य, पीएसी पूर्वी, पीएसी पश्चिमी, प्रयागराज, वाराणसी और बरेली जोन की 11 टीमों ने प्रतिभाग किया। महिला वर्ग में आगरा, गोरखपुर, कानपुर, मेरठ, प्रयागराज, वाराणसी और बरेली जोन की सात टीमें खेल में शामिल रहीं। शुक्रवार को समापन समारोह के मुख्य अतिथि एडीजी रमित शर्मा और इंटरनेशनल फुटबालर एवं यूपी फुटबाल के ब्रांड अंबेसडर मनोज जग्गी की मौजूदगी में फाइनल मैच खेले गए।

पुरुष वर्ग में गोरखपुर और मेरठ जोन में कड़ा मुकाबला हुआ। अंत में मेरठ ने 1-0 से जीत हासिल कर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। महिला वर्ग में बरेली और गोरखपुर जोन की टीमों में मुकाबला हुआ। इसमें बरेली ने तीन गोल किए लेकिन गोरखपुर एक गोल तक ही सीमित रह गई। इस तरह बरेली ने गोरखपुर पर 3-1 से जीत हासिल की। इस दौरान डीआईजी अजय साहनी, एसएसपी अनुराग आर्य समेत पुलिस के तमाम अधिकारी व खिलाड़ी मौजूद रहे।

विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते एडीजी रमित शर्मा।

एडीजी और जग्गी ने ताजा की पुरानी यादें

खिलाड़ियों को पुरस्कृत करने के दौरान एडीजी रमित शर्मा और फुटबालर जग्गी अपनी यादें साझा करने से खुद को नहीं रोक सके। एडीजी ने बताया कि वर्ष 2002 में हुए फुटबॉल प्रतियोगिता पीएसी के नकटिया मैदान पर आयोजित की गई थी। टूर्नामेंट में बनारस जोन ने जीत हासिल की थी और उस टीम का नेतृत्व मौजूदा एडीजी एवं बनारस के तत्कालीन एएसपी रमित शर्मा कर रहे थे। उसी टीम में भारत के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी और गोलकीपर मनोज जग्गी भी थे।

फुटबालर जग्गी ने साझा किए अनुभव

यूपी पुलिस फुटबॉल टीम के पूर्व कोच और वर्तमान में यूपी फुटबॉल के ब्रांड एंबेसडर मनोज जग्गी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के संस्मरण साझा किए। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा खेल को सिर्फ करियर नहीं, इबादत समझिए। मैदान पर इमानदारी से खेलो, जीत खुद आपके पीछे दौड़ेगी।

अमृत विचार जनपद बरेली दिनांक 26.07.2025

ईमानदारी से खेलो, जीत खुद आपके पीछे दौड़ेगी

23 साल बाद फुटबॉल के मैदान पर पहुंच कर एडीजी रमित शर्मा की ताजा हो गईं सुनहरी यादें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : खेल की दुनिया में कुछ लम्हें सिर्फ मैदान पर नहीं, दिलों में भी रच बस जाते हैं। 23 वर्ष पहले की ऐतिहासिक जीत की यादें बरेली में ताजा हुईं। वर्ष 2002 में हुए अंतर्जनपदीय पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता के उस स्वर्णिम पल को आज भी उत्तर प्रदेश पुलिस के दिग्गज अधिकारी और खिलाड़ी भूल नहीं पाए हैं।

बता दें कि 2002 में बरेली के नकटिया मैदान पर आयोजित टूर्नामेंट में बनारस जोन पुलिस की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। उस टीम का नेतृत्व तत्कालीन एएसपी बनारस रमित शर्मा ने किया था। रमित शर्मा वर्तमान में एडीजी जोन बरेली हैं। उसी टीम में थे भारत के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी और गोलकीपर मनोज जग्गी। इनकी कुशलता ने बरेली के मैदान में विरोधी टीमों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था।

एडीजी रमित शर्मा 23 साल बाद शुक्रवार को बरेली में आयोजित 73वीं यूपी पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल

खिलाड़ियों को सम्मानित करते फुटबॉल ब्रांड एंबेसडर, एडीजी, डीआईजी व एसएसपी।

पहुंचे। खिलाड़ियों को फुटबॉल खेलते देखकर उनकी आंखों में चमक और चेहरे पर मुस्कान द्य लौट आई।

उत्तर प्रदेश पुलिस फुटबॉल टीम के पूर्व कोच और वर्तमान में यूपी फुटबॉल के ब्रांड एंबेसडर मनोज जग्गी ने भी मंच से अपने संस्मरण साझा किए।

उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, "खेल को सिर्फ करियर नहीं, इबादत समझिए। मैदान पर ईमानदारी से खेलो, जीत खुद

- एडीजी और इंटरनेशनल फुटबॉलर और पुलिस फुटबॉल के ब्रांड जग्गी ने साझा किए रोमांचक पल

किक मारता खिलाड़ी। • अमृत विचार

जश्न मनाती फुटबॉल प्रतियोगिता में महिला वर्ग में चैंपियन बरेली जोन की टीम।

बरेली में फिर से लौटे फुटबाल के स्वर्णिम दिन

पुलिस लाइन में फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन एसएसपी अनुराग आर्य ने कराया। बेहतर प्रबंधन और खिलाड़ी टीमों की मेजबानी बरेली पुलिस ने शानदार ढंग से की। एडीजी ने पुलिस लाइन की व्यवस्थाओं को सराहा। उन्होंने कहा कि मैदान में गूंजती सीटी, दौड़ते खिलाड़ी और झूमती भीड़ ने साबित कर दिया कि खेल का जुनून उम्र या पद नहीं देखता बस समर्पण देखता है। खेल भावना की यही परंपरा आगे भी जारी रहे, यही उम्मीद कि बरेली का मैदान आज फिर तैयार है, अपना स्वर्णिम इतिहास दोहराने के लिए और नई कहानियां लिखने के लिए ...।

महिलाओं में बरेली और पुरुषों में गोरखपुर जोन की टीम चैंपियन

73वीं यूपी पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में प्रथम सेमीफाइनल मैच गोरखपुर जोन व प्रयागराज जोन के मध्य खेला गया। इसमें गोरखपुर जोन 03-02 से विजयी रहा। वहीं, पुरुष वर्ग में द्वितीय सेमीफाइनल मैच लखनऊ जोन व मेरठ जोन के मध्य खेला गया, जिसमें मेरठ जोन 03-02 से विजयी रहा। प्रतियोगिता का फाइनल मैच शुक्रवार को मेरठ जोन व गोरखपुर जोन के मध्य खेला गया। इसमें गोरखपुर जोन ने मेरठ जोन को 01-00 से हराकर विजय प्राप्त की। वहीं, महिला वर्ग में प्रथम सेमीफाइनल मैच गोरखपुर जोन व आगरा जोन के मध्य खेला गया। इसमें गोरखपुर जोन 02-01 से विजयी रहा। प्रतियोगिता में महिला वर्ग में द्वितीय सेमीफाइनल मैच बरेली जोन व प्रयागराज जोन के मध्य खेला गया, जिसमें बरेली जोन 02-00 से विजयी रहा। प्रतियोगिता का फाइनल मैच 23 जुलाई को बरेली जोन व गोरखपुर जोन के मध्य खेला गया। जिसमें बरेली जोन ने गोरखपुर जोन को 03-01 से हराकर विजय प्राप्त की।

दैनिक भास्कर जनपद बरेली दिनांक 26.07.2025

जब वर्दी ने पहन लिया फुटबॉल का जज़्बा

एडीजी रमित शर्मा, डीआईजी अजय साहनी और एसएसपी अनुराग आर्य के नेतृत्व में मैदान में दिखा नया जोश

- खाकी वर्दी में दिखा खेलों का जोश और अनुशासन, नेतृत्व से प्रेरित होकर पुलिस बल में उभरी नई ऊर्जा
- फुटबॉल बना पुलिस बल में फिटनेस और टीम भावना का प्रतीक

भास्कर ब्यूरो

बरेली। जहाँ रहेगा वहीं रौशनी लुटाएगा, किसी चराग़ का अपना मकाँ नहीं होता - वसीम बरेलवी। यह पंक्ति उस प्रेरणादायक क्षण को सजीव करती है जब बरेली पुलिस लाइन में 23 साल पुरानी एक गौरवगाथा फिर से जीवंत हो उठी। शुक्रवार को आयोजित 73वीं यूपी पुलिस अंतरजनपदीय फुटबॉल प्रतियोगिता में एक ऐसी शख़्सियत मैदान में मुख्य अतिथि बनकर पहुंचे, जिन्होंने न केवल पुलिसिंग में उत्कृष्टता दिखाई, बल्कि फुटबॉल मैदान पर भी कभी अद्वितीय प्रदर्शन किया था एडीजी बरेली जोन रमित

शर्मा।साल 2002 में जब नकटिया मैदान पर अंतरजनपदीय पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था,तब उस प्रतियोगिता में बनारस ज़ोन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। टीम के कप्तान थे तत्कालीन एएसपी बनारस और वर्तमान में बरेली जोन के एडीजी रमित शर्मा। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेले थे भारत के अंतराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी और गोलकीपर मनोज जग्गी। इस जोड़ी ने उस टूर्नामेंट को ऐतिहासिक बना दिया था।फाइनल मुकाबले में जब बनारस और कानपुर ज़ोन की टीमें आमने-सामने थीं, तो ज़बरदस्त संघर्ष के बीच बनारस ज़ोन की टीम ने विजय पताका फहराया। बरेली से जब टीम बनारस गोल्ड मेडल लेकर लौटी, तो आईजी विक्रम सिंह और एसएसपी अनिल अग्रवाल ने भावविभोर होकर कहा था— "हमें उम्मीद नहीं थी कि तुम जीत पाओगे, लेकिन तुमने यूपी पुलिस का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया।" इस बार 2025 में जब रमित शर्मा 73वीं यूपी पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि बनकर उसी मैदान में पहुंचे,तो सिर्फ पद नहीं बदला था, बल्कि यादें भी परिपक्व हो चुकी थीं। जैसे ही उन्होंने खिलाड़ियों को मैदान में संघर्ष करते देखा, उनका भी खिलाड़ी मन जाग उठा और वे अपनी पुरानी भावनाओं में खो गए। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा खेल केवल जीत और हार का नाम नहीं, बल्कि चरित्र, अनुशासन और टीम भावना का प्रतीक है। मैदान में पसीना बहाने वाला ही असली योद्धा होता है।" इस ऐतिहासिक अवसर पर समारोह की शोभा बढ़ाई पूर्व कोच और वर्तमान में यूपी फुटबॉल ब्रांड एम्बेसडर मनोज जग्गी ने। मंच से अपने संस्मरण साझा करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने 1994 में ब्रुनेई में भारत का प्रतिनिधित्व किया, 1995 में मलेशिया के कुआलालंपुर में देश का परचम लहराया, और 1998 में ड्यूरंड कप जीतने वाली महिंद्रा यूनाइटेड टीम के सदस्य बने। उसी वर्ष उन्हें सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार भी मिला।"खेल को केवल करियर मत समझो, इसे मोहब्बत बनाओ। मैदान पर ईमानदारी से खेलो, जीत खुद तुम्हारे पीछे दौड़ेगी।"इस यादगार आयोजन का सारा श्रेय जाता है एसएसपी अनुराग आर्य को, जिन्होंने पूरे आयोजन को एक नई ऊंचाई प्रदान की। प्रतियोगिता का आयोजन, टीमों की मेजबानी, व्यवस्थाओं का प्रबंधन – सब कुछ शानदार रहा। एडीजी रमित शर्मा ने स्वयं उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि,एसएसपी अनुराग आर्य की टीम ने न केवल पुलिस लाइन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं से खिलाड़ियों और अधिकारियों को प्रभावित किया, बल्कि पूरी प्रतियोगिता में बरेली को एक बेहतरीन मेज़बान के रूप में स्थापित किया।समारोह की गरिमा में चार चांद लगाए डीआईजी अजय साहनी, जो खुद भी खेल के प्रति समर्पित भावना रखते हैं। उनकी उपस्थिति ने खिलाड़ियों को यह एहसास दिलाया कि शीर्ष नेतृत्व उनके साथ है। इसके अतिरिक्त एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी साउथ अंशिका वर्मा, एसपी नॉर्थ मुकेश मिश्रा, एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान, रिटायर्ड डिप्टी एसपी जेएस पाटनी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी ने आयोजन को और भव्य बना दिया।

टेलीग्राम संवाद जनपद बरेली दिनांक 26.07.2025

खेल सिर्फ जीत और हार नहीं, टीम भावना की पाठशाला: एडीजी

23 साल बाद फिर जीवंत हुई फुटबॉल की सुनहरी यादें जब मैदान पर मिले एडीजी रमित शर्मा और इंटरनेशनल गोलकीपर मनोज जग्गी

विशेष प्रतिनिधि

टेलीग्राम संवाद, बरेली। समय चाहे जितना भी बीत जाए, कुछ यादें दिल के मैदान पर हमेशा ताजा रहती हैं। ऐसा ही एक यादगार पल उस समय फिर जीवित हो उठा जब उत्तर प्रदेश पुलिस की गौरवशाली फुटबॉल परंपरा से जुड़े दो दिग्गज—एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा और भारत के अंतरराष्ट्रीय गोलकीपर मनोज जग्गी—एक साथ बरेली में फुटबॉल मैदान पर दिखाई दिए। यह अवसर था 73वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक फुटबॉल प्रतियोगिता समापन समारोह का, जो बरेली पुलिस लाइन के मैदान में सम्पन्न हुआ। इस ऐतिहासिक क्षण में बरेली की धरती ने 23 साल पुराने उस गौरव को दोबारा महसूस किया, जब 2002 में एडीजी रमित शर्मा (तब एएसपी, बनारस) की कप्तानी में बनारस जोन की टीम ने कानपुर को हराकर प्रदेश चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

जब मैदान बना स्वर्णिम इतिहास साक्षी

2002 में बरेली के इसी नकटिया मैदान पर खेले गए फाइनल मुकाबले में बनारस जोन की टीम ने संघर्षपूर्ण मैच में कानपुर को हराया था। उस ऐतिहासिक जीत की अगुवाई रमित शर्मा ने की थी और गोलपोस्ट की रक्षा कर रहे थे भारत के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मनोज जग्गी। उनकी गोल कीपिंग ने विरोधियों को लगातार चुनौती दी और अंततः जीत की नींव रखी।

प्रतियोगिता के बाद तत्कालीन आईजी विक्रम सिंह और एसएसपी अनिल अग्रवाल ने खिलाड़ियों से कहा था – हमें उम्मीद नहीं थी कि तुम जीत पाओगे, लेकिन तुमने उत्तर प्रदेश पुलिस का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया।

बदल गया मैदान, पर न बदली जज्बे की चमक

समारोह मुख्य अतिथि अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन रमित शर्मा ने जैसे ही मैदान में कदम रखा, पुरानी स्मृतियां आंखों में तैर गईं। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा —

खेल सिर्फ जीत और हार नहीं, बल्कि चरित्र, अनुशासन और टीम भावना पाठशाला है। मैदान में पसीना बहाने वाला ही असली योद्धा होता है।

> ये सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश पुलिस की खेल परंपरा का उज्ज्वल अध्याय है। मैदान में गूंजती सीटी, दौड़ते खिलाड़ी और तालियों की गूंज बताती है कि खेल का जुनून न उम्र देखता है, न पद। बस समर्पण देखता है।
> **- रमित शर्मा, एडीजी, बरेली जोन**

इंटरनेशनल फुटबॉलर मनोज जग्गी ने बांटीं प्रेरणादायक यादें

मंच पर मौजूद यूपी पुलिस फुटबॉल ब्रांड एंबेसडर मनोज जग्गी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, खेल को करियर नहीं, इबादत समझो। मैदान पर ईमानदारी से खेलो, जीत अपने आप तुम्हारे पीछे दौड़ेगी।

उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय सफर की प्रमुख उपलब्धियों का भी जिक्र किया।

खेल भावना का संगम बना बरेली पुलिस मैदान

आयोजन की मेजबानी एसएसपी बरेली अनुराग आर्य निर्देशन में बरेली पुलिस द्वारा की गई। सुरक्षा, प्रबंधन और खिलाड़ियों की सुविधाओं की दृष्टि से यह आयोजन हर मानक पर खरा उतरा।

यौमी समाचार जनपद बिजनौर दिनांक 26.07.2025

23 साल बाद बरेली में फिर गूंजा फुटबॉल का जज्बा, याद आया गोल्डन फाइनल का गौरव

एडीजी रमित शर्मा और इंटरनेशनल खिलाड़ी जग्गी ने फिर जगाई 2002 की स्वर्णिम यादें

» बरेली में फुटबॉल की वापसी : जब मैदान ने सुनाई अतीत की गर्वगाथा

» फुटबॉल सिर्फ खेल नहीं, इतिहास है झ एडीजी रमित शर्मा की भावुक वापसी

» यादों की गोल पोस्ट पर फिर मचा रोमांच, जब खिलाड़ी लौटे उसी मैदान में 23 साल बाद

राज्य ब्यूरो लखनऊ

लखनऊ। खेल की दुनिया में कुछ लम्हें सिर्फ मैदान पर नहीं, दिलों में भी रच बस जाते हैं। ऐसा ही एक भावनात्मक रोमांचक क्षण उस वक्त फिर जीवंत हो उठा, जब 23 वर्ष पहले की ऐतिहासिक जीत की यादें बरेली में ताजा हुईं। वर्ष 2002 में हुए अंतर्जनपदीय पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता के उस स्वर्णिम पल को आज भी उत्तर प्रदेश पुलिस के दिग्गज अधिकारी और खिलाड़ी भूल नहीं पाए हैं। बरेली के नर्काटिया मैदान पर आयोजित टूर्नामेंट में बनारस जोन पुलिस की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। उस टीम का नेतृत्व तत्कालीन एएसपी बनारस रमित शर्मा ने किया था। एडीजी जोन बरेली रमित शर्मा ने

उसी टीम में थे भारत के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी और गोलकीपर मनोज जग्गी, जिनकी कुशलता ने बरेली के मैदान में विरोधी टीमों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। प्रतियोगिता के फाइनल में कानपुर जोन पुलिस और बनारस जोन पुलिस के बीच जबरदस्त संघर्ष हुआ। दर्शकों की तालियों के बीच काटे की टक्कर देखने को मिली, लेकिन आखिरकार बनारस पुलिस की टीम ने विजय पताका लहराई और पूरे प्रदेश में जीत का परचम फहराया। बरेली से जब गोल्ड मेडल लेकर टीम बनारस पहुंची, तो वहां तत्कालीन आईजी विक्रम सिंह और एसएसपी अनिल अग्रवाल ने कहा था झ "हमें उम्मीद नहीं थी कि तुम जीत पाओगे, लेकिन तुमने उत्तर प्रदेश पुलिस का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया।

आज 23 साल बाद जब एडीजी रमित शर्मा बरेली में आयोजित 73वीं यूपी पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि बनकर मैदान में पहुंचे।

1994 में ब्रुनेई में आयोजित अंडर-19 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व।

1995 में मलेशिया के कुआलालंपुर में फिर देश की शान बने।

1998 में मुम्बई में आयोजित रोवर्स कप में भाग लिया और ईस्ट बंगाल को हराकर ड्यूरंड कप जीतने वाली महिंद्रा यूनाइटेड टीम के हिस्सा बने।

1998 में सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार प्राप्त किया।

यूं तो पुलिस लाइन में फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन एसएसपी अनुराग आर्य ने कराया। बेहतर प्रबंधन और खिलाड़ी टीमों की मेजबानी बरेली पुलिस ने शानदार ढंग से की। एडीजी ने पुलिस लाइन की व्यवस्थाओं को सराहा। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का आयोजन भले ही एक टूर्नामेंट हो, लेकिन इसमें बसी स्मृतियां, संघर्ष और स्वाभिमान आज भी उत्तर प्रदेश पुलिस के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय हैं। मैदान में गूंजती सीटी, दौड़ते खिलाड़ी और झूमती भीड़ ने साबित कर दिया कि खेल का जुनून उम्र या पद नहीं देखता बस समर्पण देखता है। खेल भावना की वही परंपरा आगे भी जारी रहे, यही उम्मीद कि बरेली का मैदान आज फिर तैयार है।